<u>प्रेस कॉन्फ्रेंस</u>

<u>(कौशल विकास एवं रोजगार दिनांक 22.12.2025)</u>

आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी पत्रकार बंधुओं का मैं हृदय से स्वागत करता हूँ।

मध्यप्रदेश के इतिहास में वह क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण रहा जब जननायक डॉ.मोहन यादव जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इन दो वर्षों में उनकी सरकार ने विकास, सुशासन और जनता के कल्याण को नई दिशा दी है। यह अवधि केवल कार्यकाल नहीं, बल्कि परिवर्तन और गति का युग रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने "सरल शासन–सुगम शासन" को वास्तविक स्वरूप दिया।

कौशल विकास एवं रोजगार विभाग माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी के महत्वाकांक्षी विभागों में सम्मिलित है। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के दो वर्षों की उपलब्धियां एवं आगामी तीन वर्षों की कार्ययोजना आपसे साझा करूंगा।

सत्र 2025 में प्रदेश के आईटीआई के कुल <u>एक लाख</u> से अधिक प्रशिक्षणार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रदेश के <u>दस</u> प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न ट्रेडों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है।

हमें गर्व है कि विगत दो वर्षों में शासकीय संभागीय आईटीआई, भोपाल के तीन प्रशिक्षण अधिकारियों को महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई, बैतूल की प्रशिक्षणार्थी कु.त्रिशा तावड़े को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 4 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली में

आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

विश्व कौशल प्रतियोगिता में वर्ष 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 01 गोल्ड, 02 सिल्वर, 04 कांस्य एवं 11 मेडेलियन ऑफ एक्सीलेंस पदक प्राप्त हुए है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लियॉन, फ्रांस में एक मेडेलियन ऑफ एक्सीलेंस पदक प्राप्त हुआ।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2025 में शासकीय आईटीआई के प्रवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस वर्ष तीन हजार चार सौ चौरासी सीटों की वृद्धि के साथ प्रथम बार बावन हजार दो सौ अड़तालीस सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया संचालित की गई। इस वर्ष कुल उनपचास हजार चार सौ दो अर्थात 94.55% सीटों पर प्रवेश हुआ है, जो वर्ष 2024 के बयालीस हजार एक सौ बावन अर्थात 86.33% की तुलना में लगभग आठ प्रतिशत अधिक है। यह अब तक का सर्वाधिक प्रवेश है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत प्रदेश में अब तक चार हजार पांच सौ सतहत्तर प्रशिक्षणार्थियों को इस योजना के तहत सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत मध्यप्रदेश देश के उन चुनिन्दा राज्यों में से एक है जिसको इस वित्तीय वर्ष में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक तेईस हजार पांच सौ लघु अवधि प्रशिक्षण का लक्ष्य आवंटित हुआ है।

आईटीआई के प्रवेश में महिला आरक्षण तीस प्रतिशत से बढ़ाकर पैंतीस प्रतिशत किया गया। महिला प्रशिक्षणार्थियों का प्रवेश भी इस वर्ष बढ़कर बारह हजार एक सौ उनसतर हुआ, जो वर्ष 2024 में नौ हजार छः सौ पचपन था। यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चार सौ नब्बे दिव्यांग प्रशिक्षणार्थियों तथा बाल देखरेख संस्थाओं के सोलह बच्चों ने इस वर्ष आईटीआई में प्रवेश लिया।

इस वर्ष से आईटीआई में 8वीं पास विद्यार्थियों के लिए ट्रेडों की संख्या 5 से बढ़ाकर 10 की गई, जिनमें आठ हजार तैतालीस अर्थात 87% सीटों पर प्रवेश हुआ।

यह भी गर्व का विषय है कि, इस वर्ष 8 राज्यों — बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक और उत्तराखंड से भी विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश के आईटीआई में प्रवेश लिया है, जो हमारे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और आकर्षण को दर्शाता है।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 में जारी आईटीआई ग्रेडिंग में प्रदेश की सैतालीस शासकीय आईटीआई ने दस में से नौ या उससे अधिक ग्रेडिंग स्कोर प्राप्त करने में सफलता हासिल की है— यह अब तक की सर्वाधिक संख्या है। मध्यप्रदेश में सर्वोच्च ग्रेडिंग स्कोर नौ दशमलव तीन अंक के साथ शासकीय संभागीय आईटीआई, उज्जैन ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

आईआईटी दिल्ली के माध्यम से आईटी बेस्ड फ्यूचर स्केलिंग कोर्स एआई, आईओटी, ब्लॉकचैन, एआर-व्हीआर के प्रशिक्षण हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की उज्जैन, भोपाल, जबलपुर में स्थापना की गई हैं। टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल द्वारा फाइव-जी टेक्नोलॉजी में चार सौ अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया हैं।

- आईटीआई में उद्योग एवं CSR साझेदारी के तहत मारूति सुजूकी इंडिया लिमिटेड द्वारा पांच करोड़ की लागत से आईटीआई भोपाल व जबलपुर में आधुनिक लैब की स्थापना की गई हैं।
- इंडिया एआई मिशन के अंतर्गत नौ आईटीआई में एआई डेटा लैब्स स्थापित करने हेतु अनुबंध किया गया हैं।
- रेम्प योजना अंतर्गत आईटीआई नर्मदापुरम में MSME इंनोवेशन एण्ड इनक्यूबेशन सेंटर (MIIC) की स्थापना की गई है।

- एनटीपीसी की सहायता से बडवाह में आईटीआई की स्थापना की गई है।
- जैगुआर फाउंडेशन द्वारा पंद्रह लाख की प्लम्बिंग स्किल लैब की आईटीआई भोपाल में स्थापना की गई है।
- सिमेंस द्वारा आईटीआई उज्जैन में साठ लाख रूपये की लागत से मेन्यूफेक्चरिंग टेक्नोलॉजी लेब की स्थापना की गई है।
- श्री-श्री ट्रस्ट द्वारा 20 आईटीआई में इलेक्ट्रिकल, सोलर और इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन लैब की स्थापना की गई है।

वाधवानी फाउण्डेशन द्वारा चार हजार छः सौ दो प्रशिक्षणार्थियों, क्वेस्ट अलाईंस द्वारा ग्यारह हजार तीन सौ बासठ प्रशिक्षणार्थियों एवं इग्नाइट परियोजना अंतर्गत आईटीआई के पांच हजार पांच सौ पंचानवें प्रशिक्षणार्थियों को कौशल (एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स) का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्रदेश में 14 स्थानों पर इंडस्ट्री एकेडेमिया कन्सल्टेशन वर्कशॉप आयोजित की गईं, जिनसे प्रशिक्षण और उद्योग आवश्यकताओं का बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है।

विगत दो वर्षों में कौशल विकास विभाग में कुल छः सौ उन्यासी नियुक्तियाँ की गई हैं, जिनमें बत्तीस प्रथम श्रेणी, एक सौ दस द्वितीय श्रेणी एवं पांच सौ सैतीस तृतीय श्रेणी के पद सम्मिलित हैं।

विगत दो वर्षों में, आईटीआई से उत्तीर्ण एक सौ तेरह प्रशिक्षणार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट अबूधाबी, जापान, स्लोवाकिया, कुवैत सहित विभिन्न देशों में प्राप्त हुआ है— यह उपलब्धि हमारे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में हमारी क्षमता का प्रमाण है।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में वर्ष 2025 में ग्यारह सौ प्रशिक्षणार्थियों का प्रवेश हुआ है, जिनमें अस्सी प्रतिशत आईटीआई के प्रशिक्षणार्थी एवं बीस प्रतिशत पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग के प्रशिक्षणार्थी हैं। ग्लोबल स्किल पार्क में अब तक

छः सौ प्रशिक्षणार्थियों का सफलतापूर्वक प्लेसमेंट किया जा चुका है जिनमें कुल उनतीस छात्रों को विदेश में रोजगार प्राप्त हुआ है। यह हमारे प्रशिक्षण एवं उद्योग सहयोग की सफलता का परिणाम है। ग्लोबल स्किल पार्क से प्रशिक्षित होने वाले छात्रों के नियोजन का प्रतिशत **90** प्रतिशत से अधिक होता है।

इस वर्ष संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में जर्मन भाषा सहित विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में रिलायंस, SRF, ट्राइडेंट एवं जेबीएम जैसी प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयों के कुल तीन सौ तीस अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। साथ ही, हब एवं स्पोक मॉडल के तहत पांच सौ अस्सी अभ्यर्थियों को भी प्रशिक्षण से लाभान्वित किया गया है।

प्रदेश के प्रत्येक जिले में प्रतिमाह निर्धारित दिवस में युवाओं को स्वरोजगार, रोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर हेतु एक ही स्थान पर युवा संगम का आयोजन किया जा रहा है विगत दो वर्षों में छः सौ छप्पन युवा संगम कार्यक्रम आयोजित कर एक लाख छप्पन हजार सात सौ छिहत्तर आवेदकों को रोजगार से जोड़ा गया है।

कौशल विकास एवं रोजगार विभाग की आगामी तीन वर्षों की एक समग्र रूपरेखा है, जिसके अंतर्गत आईटीआई में रिक्त पदों की पूर्ति, प्रदेश के **51** शासकीय आईटीआई विहीन विकासखंडों में नवीन शासकीय आईटीआई की स्थापना, पीएम सेतु योजना के तहत अधिक से अधिक क्लस्टरों का विकास तथा सीएसआर सहयोग से आधुनिक स्किल लैब की स्थापना की जाएगी, साथ ही आईटीआई में अंतर्राष्ट्रीय प्लेसमेंट को बढ़ावा देना, अधिक से अधिक प्रशिक्षणार्थियों का राष्ट्रीय मेरिट सूची में स्थान दिलवाना, विश्व कौशल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना तथा प्रशिक्षकों को राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए प्रोत्साहित किया जाना सम्मिलित हैं।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में प्रशिक्षणार्थियों की संख्या छः हजार तक बढ़ाने, हब एवं स्पोक मॉडल को सुदृढ़ कर प्रति वर्ष एक हजार से अधिक प्रशिक्षण देने, उद्योगों के साथ एलाइनमेंट एवं इंडस्ट्रियल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना तथा ओबीसी विभाग के सहयोग से जापानी भाषा प्रशिक्षण प्रमुख हैं ।

चूंकि आने वाला समय ग्रीन एनर्जी एवं ऑटोमोबाइल का है। अतः प्रदेश की आईटीआई में ग्रीन टेक्नॉलोजी से संबंधित नवीन कोर्सेस एवं प्रशिक्षण आरंभ किये जा रहे है जिससे उभरते हुए ग्रीन जॉब मार्केट के लिए प्रदेश के युवाओं को तैयार किया जा सके।

ये सभी उपलब्धियाँ न केवल आँकड़े हैं, बल्कि यह हमारे सामूहिक परिश्रम, निष्ठा और समर्पण का परिणाम हैं। आईटीआई केवल एक संस्था नहीं, बल्कि यह कौशल, आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन का केंद्र है।

मध्यप्रदेश का प्रत्येक आईटीआई, गुणवत्ता, नवाचार और रोजगार का नया मानक बने —यही हमारा लक्ष्य है।

धन्यवाद।

==0==